



भारत का उच्चायापन The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—बाण ३—उप-वर्ष (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मा० ६९०]

नई दिल्ली, व्रुहस्पतिवार, अक्टूबर २६, १९८९/कार्तिक ५, १९११

No. ६९०] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 26, 1989/KARTIKA 5, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

मूँह भागालय

भवित्वात्ता

नई दिल्ली, २६ अक्टूबर, १९८९

का. आ. ८५१(अ).—पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पूर्वी थोक) जो
भाषारणात्मा भी एक एक के नाम से जाती है, पीपुल्स रेबोल्यूशनरी पार्टी भारत
कांगड़ीपक (जिसे इसके पश्चात प्रेषक कहा गया है) और उसकी
“ईड आर्मी” तथा प्रेषक भी प्रन्थ शाखाएं भी, जैसे कांगड़ीपक कम्यूनिस्ट
पार्टी और उसकी सशस्त्र विद्युत इंडिया (जिसे इसमें डम्पके पश्चात सामूहिक रूप
से मैत्री उत्तराधीन संगठन कहा गया है),—

(i) अपने उद्देश्य के रूप में खुले रूप से धोषणा कर चुके हैं कि वे
एक सशस्त्र मर्शिपुर का गठन करेंगे जिसमें मर्शिपुर का राज्य समाजिक
होमा तथा जिन्होंने उक्त राज्य के भारत के संघ से विलग करने के अपने
उद्देश्य के अनुसरण में हिंसात्मक कार्रवाइया प्रारम्भ कर दी हैं;

(ii) सशस्त्र बलों, प्रधारीत पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी, ईड आर्मी के नाम
से जात बलों उनके सदस्यों तथा उनके द्वारा स्थापित अन्य तिकायों का
उपर्योग अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं;

(iii) अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उक्त बलों
बलों, उनके सदस्यों का उपर्योग मर्शिपुर के राज्य के सुरक्षा बलों और
सिविल सरकार तथा नागरिकों पर भाक्षण करने के लिए कर रहे हैं,
और सिविल आदादी के विरुद्ध नूट और अभिनास और अपने संगठनों के
लिए निधि संग्रह करने के कार्यों में लगे हुए हैं;

(iv) अपने उपर्युक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, शरक और प्रशिक्षण
के रूप में सहायता पाने के लिए विदेशों के साथ संपर्क करने के अपने
प्रयास पुनरावृत्त कर रहे हैं;

ओर केन्द्रीय सरकार नी यह राय है कि उपर्युक्त कारणों से मैत्री
उत्तराधीन संगठन और उनके द्वारा गठित अन्य निकाय, जिनके अंतर्गत उपर
नामत समाज समूह भी हैं, विधि विरुद्ध संगम है;

ओर केन्द्रीय सरकार की यह राय भी है कि उपर्युक्त मैत्री उत्तराधीन
संगठनों के नामन्त्र समूहों द्वारा पुरिष बलों और सिविल आदादी पर हमलों
आंतरिक तथा जिन्होंने उक्त राज्य के भारत के संघ से विलग करने के अपने
उद्देश्य के अनुसरण में हिंसात्मक कार्रवाइया प्रारम्भ कर दी हैं,

असः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविहृद क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भीमुनि लिंगेशन आर्मी (पूर्वी खेड़ी) पीपुल्स रेबोल्यूशनरी पार्टी थाक कांगलीपाक, और उसकी ईड़ प्रार्मी, नथा प्रेषक के अन्य उपदलों को भी, ऐसे कागजीपुक कम्युनिस्ट पार्टी और उसका संघर्ष विधि, जो ईड़ प्रार्मी भी कहतात है, और उनके द्वारा स्पष्टित अन्य निकायों तथा यनाइटेड नेशनल लिंगेशन फंड को विधिविहृद मेंगम घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के पश्चात् द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि यह अधिसूचना उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन बनाए गए किसी आवेदन के अधीन रहते हुए, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फ. सं. 11/13/89-एन ई. 1]
के. के. सिंहा, संयुक्त सचिव (ए)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26 October, 1989

S.O. 851(E).—Whereas the People's Liberation Army (Eastern Region), generally known as the PLA, the People's Revolutionary Party of Kangleipak (hereinafter referred to as PREPAK) and its 'Red Army' as also the offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the 'Red Army' and the United National Liberation Front (hereinafter collectively referred to as the Meitei Extremist Organisations)—

- (i) have openly declared as their objective the formation of an independent Manipur comprising the State of Manipur and have resorted to violent activities in pursuance of their objective to bring about secession of the said State from the Union of India;
- (ii) have been employing armed forces, namely, the so-called People's Liberation Army, the Red Army, their members and the other bodies set up by them, to achieve their aforesaid objective;
- (iii) have in furtherance of their aforesaid objective been employing the said armed forces and members in attacking the

Security Forces and the Civil Government and the citizens in the State of Manipur, and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population for collection of funds for their organisations;

- (iv) have made some efforts to resume their contracts with foreign countries for securing assistance by way of arms and training for the purpose of achieving their aforesaid objective;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Meitei Extremist Organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups and members of the Meitei Extremist Organisations on the security forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Meitei Extremist Organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above to be unlawful with immediate effects;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the People's Liberation Army (Eastern Region), People's Revolutionary Party of Kangleipak and its Red Army as also offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the Red Army and other bodies set up by them and the United National Liberation Front to be unlawful associations, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 11/13/89-NE-II]
K. K. SINHA, Jt. Secy (A.E.)